SHODHDHARA INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY JOURNAL(SIMJ)

Volume-I (Issue 1) – April - June2026 ISSN:

डिजिटल युग में पत्रकारिता की बदलती भूमिका : एक बहुविषयक अध्ययन

रवि केशरी

भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

am-contracts1@iima.ac.in

सारांश (Abstract)- वर्तमान डिजिटल युग में पत्रकारिता के स्वरूप, कार्यप्रणाली एवं प्रभाव में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं डिजिटल संचार तकनीकों के विकास ने समाचारों के संकलन, प्रस्तुतीकरण एवं प्रसार की प्रक्रिया को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। पारंपरिक प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ डिजिटल मीडिया आज जनसंचार का प्रमुख माध्यम बन चुका है। प्रस्तुत शोध पत्र में डिजिटल युग में पत्रकारिता की बदलती भूमिका का अध्ययन बहुविषयक दृष्टिकोण से किया गया है। शोध में पत्रकारिता के सामाजिक, राजनीतिक, तकनीकी एवं नैतिक आयामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। साथ ही फेक न्यूज, मीडिया ट्रायल, डिजिटल निर्भरता एवं पत्रकारिता की विश्वसनीयता जैसी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला गया है। अध्ययन का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि आधुनिक समाज में पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन, जनमत निर्माण एवं लोकतंत्र को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण उपकरण बन चुकी है।

मुख्य शब्द- पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, जनसंचार, फेक न्यूज, लोकतंत्र, डिजिटल पत्रकारिता

1. प्रस्तावना

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समाज में सूचना, शिक्षा एवं जागरूकता फैलाने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप एवं माध्यमों में निरंतर परिवर्तन हुआ है। प्रारंभिक दौर में समाचार पत्र पत्रकारिता का प्रमुख माध्यम थे, बाद में रेडियो एवं टेलीविजन का विकास हुआ। वर्तमान समय में इंटरनेट एवं डिजिटल तकनीक ने पत्रकारिता को नए आयाम प्रदान किए हैं।

आज समाचार केवल अखबारों एवं टीवी चैनलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सोशल मीडिया, वेबसाइट, मोबाइल एप एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से तत्काल उपलब्ध हो जाते हैं। डिजिटल पत्रकारिता ने समाचारों की गति एवं पहुँच को बढ़ाया है, परंतु इसके साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

डिजिटल युग में पत्रकारिता का प्रभाव केवल सूचना तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक जीवन पर भी व्यापक रूप से पड़ रहा है। इसलिए इसके बदलते स्वरूप का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

2. पत्रकारिता की अवधारणा

पत्रकारिता जनसंचार का वह माध्यम है जिसके द्वारा समाचारों, विचारों एवं सूचनाओं का संकलन, संपादन एवं प्रसारण किया जाता है। पत्रकारिता समाज एवं शासन के बीच संवाद स्थापित करने का कार्य करती है।

पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएँ

1. सूचना प्रदान करना
2. जन-जागरूकता फैलाना
3. जनमत निर्माण करना
4. लोकतंत्र को सशक्त बनाना
5. सामाजिक समस्याओं को उजागर करना
6. शासन एवं प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना

पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य समाज को सत्य, निष्पक्ष एवं विश्वसनीय सूचना उपलब्ध कराना है।

3. डिजिटल पत्रकारिता का विकास

डिजिटल क्रांति के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इंटरनेट एवं मोबाइल तकनीक के विस्तार ने समाचारों को त्वरित एवं वैश्विक बना दिया है।

डिजिटल पत्रकारिता के प्रमुख माध्यम

1. समाचार वेबसाइट
2. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म
3. ऑनलाइन न्यूज पोर्टल
4. ब्लॉग एवं वेब पत्रकारिता
5. पॉडकास्ट एवं यूट्यूब चैनल
6. मोबाइल पत्रकारिता (MoJo)

डिजिटल पत्रकारिता ने नागरिक पत्रकारिता (Citizen Journalism) को भी बढ़ावा दिया है, जिसमें आम नागरिक भी समाचार एवं सूचनाएँ साझा कर सकते हैं।

4. पत्रकारिता का समाजशास्त्रीय महत्व

पत्रकारिता समाज में सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम है।

4.1 सामाजिक जागरूकता

पत्रकारिता शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण एवं सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर जन-जागरूकता फैलाने का कार्य करती है।

4.2 सामाजिक परिवर्तन

समाचार एवं मीडिया अभियान समाज में सुधार एवं परिवर्तन को गति प्रदान करते हैं।

4.3 सांस्कृतिक प्रभाव

मीडिया समाज की संस्कृति, भाषा एवं जीवन शैली को प्रभावित करता है।

4.4 लोकतंत्र में भूमिका

पत्रकारिता जनता एवं सरकार के बीच संवाद स्थापित कर लोकतंत्र को मजबूत करती है।

5. डिजिटल पत्रकारिता के सकारात्मक प्रभाव

5.1 सूचना का त्वरित प्रसार

डिजिटल मीडिया के माध्यम से समाचार कुछ ही सेकंड में विश्वभर में पहुँच जाते हैं।

5.2 वैश्विक पहुँच

डिजिटल पत्रकारिता ने स्थानीय समाचारों को वैश्विक मंच प्रदान किया है।

5.3 नागरिक सहभागिता

सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म ने आम नागरिकों को अपनी आवाज उठाने का अवसर दिया है।

5.4 शिक्षा एवं जागरूकता

ऑनलाइन समाचार एवं विश्लेषण लोगों को विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक बनाते हैं।

5.5 पारदर्शिता एवं जवाबदेही

डिजिटल पत्रकारिता शासन एवं प्रशासन की पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक है।

6. डिजिटल पत्रकारिता की चुनौतियाँ

6.1 फेक न्यूज

डिजिटल मीडिया में झूठी एवं भ्रामक सूचनाओं का प्रसार तेजी से होता है।

6.2 मीडिया ट्रायल

कई बार मीडिया न्यायिक प्रक्रिया से पहले ही किसी व्यक्ति को दोषी घोषित कर देता है।

6.3 पत्रकारिता की विश्वसनीयता

व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा एवं टीआरपी की दौड़ ने पत्रकारिता की निष्पक्षता को प्रभावित किया है।

6.4 साइबर खतरे

ऑनलाइन पत्रकारिता साइबर हमलों एवं डेटा चोरी जैसी समस्याओं से प्रभावित होती है।

6.5 नैतिकता का संकट

सनसनीखेज समाचार एवं पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग पत्रकारिता की नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

7. पत्रकारिता और लोकतंत्र

लोकतंत्र में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता का विशेष महत्व है। मीडिया सरकार की नीतियों एवं कार्यों की समीक्षा कर जनता को सही जानकारी प्रदान करता है।

पत्रकारिता चुनाव, नीति निर्माण एवं जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि पत्रकारिता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष हो तो लोकतंत्र मजबूत होता है, परंतु यदि मीडिया पक्षपातपूर्ण हो जाए तो लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुँच सकती है।

इसलिए प्रेस की स्वतंत्रता एवं मीडिया नैतिकता का संरक्षण आवश्यक है।

8. बहुविषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोण

1. समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

पत्रकारिता सामाजिक संरचना एवं सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है।

2. राजनीतिक दृष्टिकोण

मीडिया राजनीतिक जागरूकता एवं जनमत निर्माण का प्रमुख माध्यम है।

3. तकनीकी दृष्टिकोण

डिजिटल तकनीक ने पत्रकारिता को तेज एवं वैश्विक बनाया है।

4. आर्थिक दृष्टिकोण

मीडिया उद्योग विज्ञापन एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है।

5. नैतिक दृष्टिकोण

पत्रकारिता में सत्य, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्यों का महत्व अत्यधिक है।

9. सुधार हेतु सुझाव

1. फेक न्यूज रोकने हेतु प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए।
2. पत्रकारिता में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया जाए।
3. डिजिटल मीडिया के लिए सशक्त नियामक व्यवस्था बनाई जाए।
4. पत्रकारों को डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर प्रशिक्षण दिया जाए।
5. मीडिया साक्षरता अभियान चलाए जाएँ।
6. निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित किया जाए।
7. पत्रकारिता शिक्षा में आधुनिक डिजिटल तकनीकों को शामिल किया जाए।

10. निष्कर्ष

डिजिटल युग में पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से परिवर्तित हुआ है। आज पत्रकारिता केवल सूचना प्रदान करने तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक जागरूकता एवं जनमत निर्माण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को गति एवं वैश्विक पहुँच प्रदान की है, परंतु इसके साथ फेक न्यूज, मीडिया ट्रायल एवं नैतिक संकट जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

आवश्यक है कि पत्रकारिता में सत्य, निष्पक्षता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को बनाए रखा जाए। यदि डिजिटल पत्रकारिता का उपयोग जिम्मेदारी एवं नैतिकता के साथ किया जाए तो यह लोकतंत्र एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

संदर्भ सूची (References)

1. के. एम. श्रीवास्तव – पत्रकारिता के सिद्धांत
2. जे. वी. वी. शुक्ल – जनसंचार एवं पत्रकारिता
3. Denis McQuail – Mass Communication Theory
4. Marshall McLuhan – Understanding Media
5. Walter Lippmann – Public Opinion
6. भारत का प्रेस परिषद अधिनियम, 1978
7. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
8. UNESCO Media Development Reports
9. डिजिटल मीडिया एवं पत्रकारिता संबंधी शोध पत्र एवं जर्नल लेख
10. भारत सरकार – डिजिटल इंडिया रिपोर्ट